Ganga Aarti/गंगा आरती

ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता ।

जो नर तुमको ध्याता, मनवांछित फल पाता ॥

ॐ जय गंगे माता ।

चंद्र सी ज्योति तुम्हारी, जल निर्मल आता ।

शरण पड़े जो तेरी , सो नर तर जाता ॥

ॐ जय गंगे माता ।

पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता ।

कृपा दृष्टि हो तुम्हारी, त्रिभुवन सुख दाता ॥

ॐ जय गंगे माता ।

एक ही बार जो तेरी, शरण गति आता ।

यम की त्रास मिटाकर, परमगति पाता ॥

ॐ जय गंगे माता ।

आरति मातु तुम्हारी, जो नर नित गाता ।

दास वही सहज में, मुक्ति को पाता ॥

ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता ।